UGC NET/JRF • SET • TGT • PGT • UPSC • RPSC

भक्तिकाल

हिन्दी साहित्य • MCQ प्रश्नोत्तरी

1000+ प्रश्नोत्तरी

- संत काव्य
- सूफी काव्य
- रामकाव्य
- कृष्णकाव्य • अष्टछाप

NET स्तर के कठिन प्रश्न

उत्तर साथ में • व्याख्या सहित

केवल कृष्ण घोड़ेला

एम.ए., बी.एड., नेट (हिंदी) • कॉलेज व्याख्याता

store.hindisahity.com

📚 इस PDF में क्या-क्या है? — विषय-सूची एवं पृष्ठ-सारणी

कुल 1058 प्रश्न • 10 सेट • हर सेट के बाद उत्तर-सारणी, उत्तरमाला-व्याख्या और आपके अपने नोट्स के पृष्ठ — देखिए कौन-सा टॉपिक किस पृष्ठ पर है।

सेट / टॉपिक (खण्ड)	प्रश्न	प्रश्न-पृष्ठ	उत्तर-व्याख्या पृष्ठ	नोट्स पृष्ठ
सेट–1 : भक्ति आंदोलन, सम्प्रदाय और दार्शनिक मत	**102 प्रश्न**	**3–8**	**9–12**	**13–14**
क. भक्ति आंदोलन — उद्भव, मत और समय-सीमा	1–28	**3–4**		
ख. सम्प्रदाय, प्रवर्तक और दार्शनिक मत	29–61	**4–6**		
ग. जन्म-क्रम, भक्त-शाखाएँ और अन्य संके त	62–82	**6–7**		
घ. पूर्वपीठिका, आलवार और आचार्य-परम्परा — अतिरिक्त तथ्य	83–102	**7–8**		
सेट–2 : संत काव्य — कबीर, रैदास, नानक व अन्य	**109 प्रश्न**	**15–21**	**22–25**	**26–27**
क. कबीर — जीवन, रचना और भाषा	1–37	**15–16**		
ख. संत काव्य — रैदास, नानक, दादू, सुन्दरदास,	38–78	**16–18**		
ग. संत काव्य — जीवन, ग्रंथ और सम्प्रदाय (अतिरिक्त तथ्य)	79–109	**18–21**		
सेट–3 : सूफी प्रेमाख्यान और जायसी	**105 प्रश्न**	**28–34**	**35–38**	**39–40**
क. सूफी प्रेमाख्यान — कवि, कृति और परंपरा	1–31	**28–29**		
ख. जायसी और पद्मावत	32–67	**29–31**		
ग. सूफी काव्य — साधना, प्रेमाख्यान और जायसी (अतिरिक्त तथ्य)	68–105	**31–34**		
सेट–4 : रामकाव्य — तुलसीदास और अन्य रामभक्त कवि	**121 प्रश्न**	**41–47**	**48–51**	**52–53**
क. तुलसीदास — जीवन, रचनाएँ और भाषा	1–67	**41–44**		
ख. रामभक्ति काव्य-धारा — तुलसी के अतिरिक्त	68–100	**44–45**		
ग. तुलसीदास — कृतियाँ, छन्द-संख्या और मानस (अतिरिक्त तथ्य)	101–121	**45–47**		
सेट–5 : अष्टछाप, सूरदास और कृष्णभक्ति	**103 प्रश्न**	**54–59**	**60–62**	**63–64**
क. अष्टछाप और कृष्णभक्ति शाखा	1–26	**54–55**		
ख. सूरदास — जीवन, कृतियाँ और भ्रमरगीत	27–68	**55–57**		
ग. अष्टछाप, पुष्टिमार्ग और कृष्णभक्ति के अन्य सम्प्रदाय (अतिरिक्त तथ्य)	69–103	**57–59**		
सेट–6 : मीरा, रसखान, नंददास और अन्य कवि	**120 प्रश्न**	**65–71**	**72–75**	**76–77**
क. मीराबाई, रसखान, नंददास और अन्य कृष्णभक्त	1–53	**65–67**		
ख. रामकाव्य के अन्य कवि, रहीम, केशव, गंग और	54–93	**67–69**		
ग. मीरा, रसखान, नंददास, केशव, नाभादास और अन्य (अतिरिक्त तथ्य)	94–120	**69–71**		
सेट–7 : शुक्ल और आलोचकों के कथन	**73 प्रश्न**	**78–82**	**83–85**	**86–87**
क. भक्ति आंदोलन — शुक्ल के कथन	1–34	**78–79**		
ख. भक्तिकाल पर विभिन्न आलोचकों के मत	35–54	**79–80**		
ग. शुक्ल — सगुण शाखा और सूफी कवियों पर	55–67	**80–81**		
घ. आलोचकों के कथन — अतिरिक्त अभ्यास	68–73	**81–82**		
सेट–8 : पंक्ति-पहचान और कृति-कवि	**96 प्रश्न**	**88–92**	**93–95**	**96–97**
क. पंक्ति-पहचान — संत और सूफी काव्य	1–16	**88**		
ख. पंक्ति-पहचान — राम और कृष्ण भक्ति काव्य	17–41	**88–89**		
ग. कृति-कवि और कथन-पहचान	42–68	**89–90**		
घ. पंक्ति-पहचान — अतिरिक्त अभ्यास	69–96	**90–92**		
सेट–9 : संत-कवि, सम्प्रदाय, क्रम, गणना और अन्य काव्य-धाराएँ	**109 प्रश्न**	**98–103**	**104–106**	**107–108**
क. संत-कवि — जीवन, परंपरा और ग्रंथ (तथ्य)	1–45	**98–100**		
ख. क्रम और गणना	46–67	**100**		
ग. सम्प्रदाय, पंथ और प्रवर्तक	68–85	**100–101**		
घ. वीर, नीति, चरित, अकबरी दरबार और रीति काव्य (अतिरिक्त तथ्य)	86–109	**101–103**		
सेट–10 : पूर्ण मॉक टेस्ट (120 प्रश्न)	**120 प्रश्न**	**109–115**	**116–119**	**120–121**
क. मिश्रित प्रश्न (भक्तिकाल — सम्पूर्ण)	1–98	**109–113**		
ख. कथन-आधारित एवं विश्लेषणात्मक प्रश्न	99–120	**113–115**		

हिंदी साहित्य SAMPLE

सेट–1 : भक्ति आंदोलन, सम्प्रदाय और दार्शनिक मत

📝 प्रश्न 102 | ⏱️ समय 77 मिनट | ✔️ सही उत्तर +1 | आपका स्कोर : _____ / 102

क. भक्ति आंदोलन — उद्भव, मत और समय-सीमा

1. शुक्ल ने भक्तिकाल का समय किस संवत् से किस संवत् तक माना है?
(क) सं. 1350 से सं. 1650 तक
(ख) सं. 1375 से सं. 1700 तक
(ग) सं. 1400 से सं. 1700 तक
(घ) सं. 1375 से सं. 1650 तक

2. शुक्ल द्वारा निर्धारित भक्तिकाल की सीमा ईसवी सन् में क्या बैठती है?
(क) 1350 ई. से 1650 ई. (ख) 1318 ई. से 1700 ई.
(ग) 1375 ई. से 1700 ई. (घ) 1318 ई. से 1643 ई.

3. भक्तिकाल को 'स्वर्णयुग' किसने कहा?
(क) जॉर्ज ग्रियर्सन (ख) रामचंद्र शुक्ल
(ग) हजारीप्रसाद द्विवेदी (घ) रामविलास शर्मा

4. भक्ति आंदोलन को 'लोकजागरण' की संज्ञा किसने दी?
(क) रामचंद्र शुक्ल (ख) जॉर्ज ग्रियर्सन
(ग) हजारीप्रसाद द्विवेदी (घ) नामवर सिंह

5. "भक्ति आंदोलन एक जातीय और जनवादी आंदोलन है" — यह मत किसका है?
(क) हजारीप्रसाद द्विवेदी (ख) रामकुमार वर्मा
(ग) रामविलास शर्मा (घ) गणपति चंद्र गुप्त

6. भक्ति आंदोलन को ईसाइयत की देन किसने माना?
(क) जॉर्ज ग्रियर्सन (ख) रामचंद्र शुक्ल
(ग) हजारीप्रसाद द्विवेदी (घ) मिश्रबंधु

7. भक्ति आंदोलन के उदय को इस्लामी आक्रमण से पराजित हिन्दू जनता की निराश मनःस्थिति से जोड़ने वाले आलोचक कौन हैं?
(क) हजारीप्रसाद द्विवेदी
(ख) रामविलास शर्मा
(ग) बच्चन सिंह
(घ) आचार्य रामचंद्र शुक्ल

8. "यदि इस्लाम न आया होता तो भी इस साहित्य का बारह आना वैसा ही होता जैसा आज है" — यह कथन किसका है?
(क) रामचंद्र शुक्ल (ख) हजारीप्रसाद द्विवेदी
(ग) जॉर्ज ग्रियर्सन (घ) रामविलास शर्मा

9. "भक्ति का जो सोता दक्षिण की ओर से धीरे-धीरे उत्तर भारत की ओर पहले से ही आ रहा था..." — यह किसका कथन है?
(क) हजारीप्रसाद द्विवेदी
(ख) जॉर्ज ग्रियर्सन
(ग) रामकुमार वर्मा
(घ) आचार्य रामचंद्र शुक्ल

10. "भक्ति धर्म का रसात्मक रूप है" — इस आशय की स्थापना किसकी है?
(क) आचार्य नंददुलारे वाजपेयी
(ख) आचार्य रामचंद्र शुक्ल
(ग) डॉ. नगेन्द्र
(घ) बाबू गुलाबराय

11. "भक्ति की निष्पत्ति श्रद्धा और प्रेम के योग से होती है" — यह किसका मत है?
(क) हजारीप्रसाद द्विवेदी (ख) रामविलास शर्मा
(ग) रामचंद्र शुक्ल (घ) श्यामसुंदर दास

12. "भक्ति द्राविड़ उपजी, लाये रामानंद। परगट किया कबीर ने सात दीप नौ खण्ड" — इस उक्ति में किसे भक्ति को उत्तर भारत में लाने वाला कहा गया है?
(क) रामानंद (ख) रामानुजाचार्य
(ग) वल्लभाचार्य (घ) कबीर

13. हिन्दी में भक्ति साहित्य की परंपरा किस रचनाकार से मानी जाती है (जन्म 1270 ई.)?
(क) नामदेव (ख) कबीर
(ग) रामानंद (घ) रैदास

14. 'भक्ति' शब्द का सर्वप्रथम उल्लेख किस ग्रंथ में माना जाता है?
(क) श्रीमद्भागवत (ख) ब्रह्मसूत्र
(ग) श्वेताश्वतर उपनिषद् (घ) गीता

15. सगुण भक्ति का आधार-ग्रंथ किसे माना जाता है?
(क) श्वेताश्वतर उपनिषद् (ख) श्रीमद्भागवत
(ग) ब्रह्मसूत्र (घ) शिवपुराण

16. 'ब्रह्मसूत्र' के रचयिता कौन माने जाते हैं?
(क) शंकराचार्य (ख) रामानुजाचार्य
(ग) जैमिनि (घ) बादरायण

17. "धर्म का प्रवाह कर्म, ज्ञान और भक्ति — इन तीनों धाराओं में चलता है" — यह किसका कथन है?
(क) हजारीप्रसाद द्विवेदी (ख) रामचंद्र शुक्ल
(ग) रामकुमार वर्मा (घ) नगेन्द्र

18. भक्ति आंदोलन के संदर्भ में 'आलवार' शब्द का शाब्दिक अर्थ क्या है?
(क) भगवान का संदेशवाहक दूत
(ख) तीर्थ-भ्रमण करने वाला संन्यासी
(ग) वेदों-उपनिषदों का ज्ञाता पंडित
(घ) भगवान की भक्ति में डूबा हुआ (मग्न)

19. आलवार संतों की कुल संख्या कितनी मानी जाती है?
(क) 12 (ख) 8
(ग) 24 (घ) 63

20. आलवारों में एकमात्र महिला भक्त कौन थीं, जिन्हें 'दक्षिण की मीरा' कहा जाता है?
(क) करैक्काल अम्मैयार (ख) लल्लेश्वरी
(ग) आण्डाल (घ) अक्का महादेवी

21. आलवारों के पदों/गीतों का संग्रह किस नाम से प्रसिद्ध है?
(क) तिरुक्कुरल (ख) शिलप्पदिकारम्
(ग) दिव्य प्रबंधम् (घ) तिरुवाचकम्

22. आलवार संतों का समय सामान्यतः कब माना जाता है?
(क) छठी से नौवीं शताब्दी
(ख) दूसरी से पाँचवीं शताब्दी
(ग) दसवीं से बारहवीं शताब्दी
(घ) तेरहवीं से पंद्रहवीं शताब्दी

41. राधावल्लभ सम्प्रदाय का प्रवर्तन किसने और कब किया?
(क) हितहरिवंश; 1534 ई., वृन्दावन
(ख) स्वामी हरिदास; 1534 ई., वृन्दावन
(ग) वल्लभाचार्य; 1565 ई., गोकुल
(घ) निम्बार्क ; 1534 ई., मथुरा

42. राधावल्लभ सम्प्रदाय में किसे सर्वोच्च स्थान प्राप्त है और कौन-सा भाव प्रधान है?
(क) कृष्ण; दास्य भाव (ख) राधा; दास्य भाव
(ग) राधा; तत्सुखी भाव (घ) कृष्ण; तत्सुखी भाव

43. हरिदासी सम्प्रदाय को और किन नामों से जाना जाता है?
(क) रसिक सम्प्रदाय और श्री सम्प्रदाय
(ख) सखी सम्प्रदाय और टट्टी सम्प्रदाय
(ग) पुष्टि सम्प्रदाय और रुद्र सम्प्रदाय
(घ) हंस सम्प्रदाय और कुमार सम्प्रदाय

44. स्वामी हरिदास का वह प्रसिद्ध शिष्य कौन था, जो बाद में अकबर के दरबार का गायक हुआ?
(क) बैजू बावरा (ख) रामदास
(ग) सूरदास (घ) तानसेन

45. स्वामी हरिदास की उपलब्ध प्रमुख रचनाएँ कौन-सी हैं?
(क) हित चौरासी और राधासुधानिधि
(ख) सिद्धान्त के पद और के लिमाला
(ग) महावाणी और सिद्धान्त रहस्य
(घ) जुगलमान चरित और बाललीला

46. 'हित चौरासी' और 'राधासुधानिधि' किसकी रचनाएँ हैं?
(क) स्वामी हरिदास (ख) जीव गोस्वामी
(ग) गदाधर भट्ट (घ) हितहरिवंश

47. 'महावाणी' किस सम्प्रदाय की रचना है और इसके रचयिता कौन हैं?
(क) निम्बार्क सम्प्रदाय; हरिव्यास देव
(ख) गौड़ीय सम्प्रदाय; जीव गोस्वामी
(ग) राधावल्लभ सम्प्रदाय; हितहरिवंश
(घ) सखी सम्प्रदाय; स्वामी हरिदास

48. रामानंद की गुरु-परम्परा में उनके गुरु कौन थे?
(क) अनंतानंद (ख) नरहर्यानंद
(ग) राघवानंद (घ) रामानुज

49. रामानंद के सम्प्रदाय को क्या कहा जाता है?
(क) रामानुज सम्प्रदाय (ख) रसिक सम्प्रदाय
(ग) रामावत सम्प्रदाय (घ) हरिदासी सम्प्रदाय

50. हजारीप्रसाद द्विवेदी ने रामानंद को किस उपाधि से संबोधित किया?
(क) आकाशधर्मा गुरु (ख) जगद्गुरु
(ग) लोकनायक (घ) भक्तशिरोमणि

51. "सच पूछा जाए तो मध्ययुग की समग्र स्वाधीन चिंता के गुरु रामानंद ही थे" — यह किसका कथन है?
(क) रामचंद्र शुक्ल (ख) रामविलास शर्मा
(ग) नगेन्द्र (घ) हजारीप्रसाद द्विवेदी

52. रामानंद की रचनाओं में कौन-सा ग्रंथ सम्मिलित नहीं है?
(क) वैष्णवमताब्ज भास्कर (ख) सिद्धान्त रहस्य
(ग) श्रीरामार्चन पद्धति (घ) रामरक्षा स्तोत्र

53. रामानंद ने अपनी पूरी गुरु-परम्परा का उल्लेख किस ग्रंथ में किया है?
(क) वैष्णवमताब्ज भास्कर (ख) योगचिन्तामणि
(ग) रामरक्षा स्तोत्र (घ) श्रीरामार्चन पद्धति

54. निम्नलिखित में से कौन रामानंद का शिष्य नहीं था?
(क) पीपा (ख) धर्मदास
(ग) सेना (घ) रैदास

55. रामानंद के शिष्यों में 'सेना' किस जाति/पेशे के थे?
(क) जुलाहा (ख) चमार
(ग) नाई (घ) दर्जी

56. गुरुनानक जिस पंथ के प्रवर्तक हैं, उसका ग्रंथ 'गुरु ग्रंथ साहिब' किसने संकलित किया?
(क) गुरु अर्जुनदेव (ख) गुरु गोविंद सिंह
(ग) गुरु अमरदास (घ) गुरु तेगबहादुर

57. सुमेलित कीजिए — (सम्प्रदाय / प्रवर्तक)

सूची-I	सूची-II
A. विश्नोई सम्प्रदाय	1. जगजीवनदास
B. दादू पंथ	2. दादूदयाल
C. निरंजनी सम्प्रदाय	3. हरिदास निरंजनी
D. सत्यनामी सम्प्रदाय	4. जम्भनाथ

(क) A-4, B-2, C-1, D-3
(ख) A-4, B-1, C-3, D-2
(ग) A-4, B-2, C-3, D-1
(घ) A-3, B-2, C-4, D-1

58. सम्प्रदाय-प्रवर्तकों के संबंध में कथनों पर विचार कीजिए :
I. निम्बार्क का दर्शन द्वैताद्वैत है।
II. मध्वाचार्य द्वैतवाद के प्रवर्तक हैं।
III. विष्णुस्वामी शुद्धाद्वैत से संबद्ध माने जाते हैं।
IV. रामानुज अद्वैतवाद के प्रवर्तक हैं।
(क) केवल I और II (ख) I, II, III और IV
(ग) केवल I, II और III (घ) केवल I और III

59. सत्य/असत्य बताइए :
I. वल्लभाचार्य का दर्शन शुद्धाद्वैत है।
II. निम्बार्क सम्प्रदाय का के न्द्र वृन्दावन/ब्रज में है।
III. हितहरिवंश गौड़ीय सम्प्रदाय के प्रवर्तक हैं।
IV. चैतन्य का सिद्धांत अचिन्त्य भेदाभेद है।
(क) I असत्य, II सत्य, III असत्य, IV सत्य
(ख) I सत्य, II असत्य, III असत्य, IV सत्य
(ग) I सत्य, II सत्य, III असत्य, IV सत्य
(घ) I सत्य, II सत्य, III सत्य, IV सत्य

60. अभिकथन (A) और कारण (R) पर विचार कीजिए। सही विकल्प चुनिए।
अभिकथन (A) : वल्लभाचार्य के मार्ग को 'पुष्टिमार्ग' कहा गया।
कारण (R) : पुष्टि का अर्थ भगवान का अनुग्रह है और भक्ति की ओर जीव की प्रवृत्ति तभी होती है जब भगवान का अनुग्रह हो।
(क) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(ख) A और R दोनों सही हैं, पर R, A की सही व्याख्या नहीं है
(ग) A सही है, पर R गलत है
(घ) A गलत है, पर R सही है

63. जायसी की रचनाओं के संबंध में कथनों पर विचार कीजिए :

I. पद्मावत अवधी में है।
II. अखरावट वर्णमाला के क्रम पर है।
III. आखिरी कलाम में प्रलय का वर्णन है।
IV. कन्हावत, चित्रावली का दूसरा नाम है।

(क) केवल I, II और III (ख) केवल I और II
(ग) I, II, III और IV (घ) केवल I और III

64. सत्य/असत्य बताइए :

I. पद्मावत में 57 खंड हैं।
II. रत्नसेन सिंहल का राजा है।
III. नागमती-वियोग बारहमासा शैली में है।
IV. जायसी ने पद्मावत हिजरी 947 में रचा।

(क) I सत्य, II असत्य, III सत्य, IV सत्य
(ख) I असत्य, II असत्य, III सत्य, IV सत्य
(ग) I सत्य, II सत्य, III सत्य, IV सत्य
(घ) I सत्य, II असत्य, III असत्य, IV सत्य

65. सुमेलित कीजिए — (पद्मावत का प्रतीक / अर्थ)

सूची-I	सूची-II
A. चित्तौड़	1. गुरु
B. रत्नसेन	2. बुद्धि
C. पद्मावती	3. शरीर
D. हीरामन	4. मन

(क) A-3, B-2, C-4, D-1
(ख) A-2, B-4, C-3, D-1
(ग) A-3, B-4, C-1, D-2
(घ) A-3, B-4, C-2, D-1

66. अभिकथन (A) और कारण (R) पर विचार कीजिए। सही विकल्प चुनिए।

अभिकथन (A) : पद्मावत को शुक्ल ने समासोक्ति काव्य माना।
कारण (R) : पद्मावत में लौकिक प्रेम-कथा के माध्यम से अलौकिक प्रेम का संके त भी मिलता है।

(क) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(ख) A और R दोनों सही हैं, पर R, A की सही व्याख्या नहीं है
(ग) A सही है, पर R गलत है
(घ) A गलत है, पर R सही है

67. अभिकथन (A) और कारण (R) पर विचार कीजिए। सही विकल्प चुनिए।

अभिकथन (A) : जायसी की भाषा ब्रजभाषा है।
कारण (R) : पद्मावत की रचना ठेठ अवधी में हुई है।

(क) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(ख) A और R दोनों सही हैं, पर R, A की सही व्याख्या नहीं है
(ग) A सही है, पर R गलत है
(घ) A गलत है, पर R सही है

ग. सूफी काव्य — साधना, प्रेमाख्यान और जायसी (अतिरिक्त तथ्य)

68. सूफी मत में मनुष्य के चार विभागों का सही सुमेलन कीजिए —

सूची-I	सूची-II
A. कल्ब	1. बुद्धि
B. नफ्स	2. हृदय
C. अक्ल	3. विषय-भोगवृत्ति
D. रूह	4. आत्मा

(क) A-3, B-1, C-2, D-4
(ख) A-2, B-3, C-1, D-4
(ग) A-2, B-1, C-3, D-4
(घ) A-1, B-2, C-3, D-4

69. फारसी के लैला-मजनू आख्यान पर 'लै लै मंजनू' लिखने वाले प्रथम हिन्दी कवि कौन थे?

(क) कुतुबन (ख) जान कवि
(ग) मंझन (घ) उसमान

70. पद्मावत में सिंहलद्वीप और चित्तौड़ किसके प्रतीक हैं?

(क) माया; ब्रह्म (ख) मन; बुद्धि
(ग) शरीर; हृदय (घ) हृदय; शरीर

71. शुक्ल के अनुसार सूफी शाखा का एकमात्र हिन्दू कवि कौन है, जिसने 'नल-दमयंती' लिखी?

(क) कृष्णदास
(ख) सूरदास (पंजाबी, शाहजहाँ का समकालीन)
(ग) नंददास
(घ) पुहकर

72. जायसी के सम्बन्ध में असत्य कथन है —

(क) पद्मावत में 57 खण्ड हैं
(ख) वे शेरशाह के समकालीन थे
(ग) वे शेख मोहिदी के शिष्य थे
(घ) उनका प्रिय अलंकार श्लेष था

73. 'रूपमंजरी' (1568 ई.) किसकी रचना है और किस भाषा में है?

(क) पुहकर — अवधी (ख) नंददास — ब्रजभाषा
(ग) मंझन — अवधी (घ) जटमल — राजस्थानी

74. सत्य/असत्य बताइए :

I. चंदायन के रचयिता मुल्ला दाऊद हैं।
II. मृगावती कुतुबन की रचना है।
III. मधुमालती उसमान की रचना है।
IV. जायसी शेख मोहिदी के शिष्य थे।

(क) I सत्य, II सत्य, III सत्य, IV सत्य
(ख) I सत्य, II असत्य, III असत्य, IV सत्य
(ग) I असत्य, II सत्य, III असत्य, IV सत्य
(घ) I सत्य, II सत्य, III असत्य, IV सत्य

75. अभिकथन (A) और कारण (R) पर विचार कीजिए। सही विकल्प चुनिए।

अभिकथन (A) : सूफी कवियों ने ईश्वर को स्त्री रूप में तथा साधक को पुरुष रूप में चित्रित किया।
कारण (R) : संत कवियों की साधना सूफियों की साधना से भिन्न थी — वे आत्मा को स्त्री और परमात्मा को पुरुष मानते थे।

(क) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(ख) A और R दोनों सही हैं, पर R, A की सही व्याख्या नहीं है
(ग) A सही है, पर R गलत है
(घ) A गलत है, पर R सही है

107. निम्नलिखित कथनों में से कितने सही हैं?

I. जान कवि ने 'लै लै मंजनू' लिखा।
II. नूर मुहम्मद ने 'अनुराग बाँसुरी' में बरवै छन्द प्रयुक्त किया।
III. कुतुबन जौनपुर के हुसैन शाह के आश्रित थे।
IV. आलम की 'माधवानल कामकंदला' 1527 की रचना है।
(क) केवल एक
(ख) केवल दो
(ग) केवल तीन
(घ) सभी चार

108. तुलसीदास के सम्बन्ध में कथनों पर विचार कीजिए :

I. उनके दीक्षा-गुरु नरहर्यानन्द थे।
II. शुक्ल के अनुसार उनका जन्मस्थान सोरों है।
III. तुलसी की पत्नी का नाम रत्नावली था।
IV. शुक्ल ने तुलसी को 'स्मार्त वैष्णव' माना।
(क) केवल III और IV (ख) I, II, III और IV
(ग) केवल I, III और IV (घ) केवल I और IV

109. सत्य/असत्य बताइए :

I. रामानन्द के गुरु राघवानन्द थे।
II. कृष्णदास पयहारी ने गलता में रामानन्दी गद्दी स्थापित की।
III. अग्रदास ने तपसी शाखा चलायी।
IV. नाभादास अग्रदास के शिष्य थे।
(क) I सत्य, II सत्य, III सत्य, IV सत्य
(ख) I सत्य, II सत्य, III असत्य, IV सत्य
(ग) I सत्य, II सत्य, III असत्य, IV असत्य
(घ) I असत्य, II सत्य, III असत्य, IV सत्य

110. नाभादास के भक्तमाल के सम्बन्ध में कितने कथन सही हैं?

I. इसमें लगभग 200 कवियों का जीवनवृत्त है।
II. यह 316 छप्पयों में है।
III. इसकी टीका प्रियादास ने की।
IV. यह खड़ी बोली में रचित है।
(क) केवल एक
(ख) केवल दो
(ग) केवल तीन
(घ) सभी चार

111. अभिकथन (A) और कारण (R) पर विचार कीजिए। सही विकल्प चुनिए।

अभिकथन (A) : केशवदास को हिन्दी रीतिकाव्य का प्रवर्तक माना गया है।
कारण (R) : केशव ने 'रसिकप्रिया' और 'कविप्रिया' जैसे लक्षण ग्रन्थ लिखे।
(क) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(ख) A और R दोनों सही हैं, पर R, A की सही व्याख्या नहीं है
(ग) A सही है, पर R गलत है
(घ) A गलत है, पर R सही है

112. सत्य/असत्य बताइए :

I. चैतन्य महाप्रभु के गुरु केशव भारती थे।
II. हितहरिवंश राधावल्लभ सम्प्रदाय के प्रवर्तक हैं।
III. स्वामी हरिदास के शिष्य तानसेन माने जाते हैं।
IV. निम्बार्क का जन्म नवद्वीप में हुआ।
(क) I सत्य, II सत्य, III सत्य, IV सत्य
(ख) I सत्य, II सत्य, III असत्य, IV असत्य
(ग) I सत्य, II असत्य, III सत्य, IV असत्य
(घ) I सत्य, II सत्य, III सत्य, IV असत्य

113. अभिकथन (A) और कारण (R) पर विचार कीजिए। सही विकल्प चुनिए।

अभिकथन (A) : सूरदास के 'भ्रमरगीत' को 'उपालम्भ काव्य' कहा जाता है।
कारण (R) : इसमें गोपियाँ उद्धव और कृष्ण को उलाहना देती हैं।
(क) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
(ख) A और R दोनों सही हैं, पर R, A की सही व्याख्या नहीं है
(ग) A सही है, पर R गलत है
(घ) A गलत है, पर R सही है

114. निम्नलिखित कथनों में से कितने सही हैं?

I. निम्बार्क का मूल नाम नियमानन्द था।
II. निम्बार्क को सुदर्शन चक्र का अवतार माना जाता है।
III. निम्बार्क की सबसे बड़ी गद्दी सलेमाबाद में है।
IV. दशश्लोकी निम्बार्क की रचना है।
(क) केवल एक
(ख) केवल दो
(ग) केवल तीन
(घ) सभी चार

115. अष्टछाप के कवियों के सम्बन्ध में कथनों पर विचार कीजिए :

I. कुम्भनदास अष्टछाप के प्रथम कवि माने जाते हैं।
II. छीत स्वामी बीरबल के पुरोहित थे।
III. गोविन्द स्वामी से तानसेन ने संगीत सीखा।
IV. परमानन्ददास विट्ठलनाथ के शिष्य थे।
(क) केवल I और III (ख) केवल I, II और III
(ग) I, II, III और IV (घ) केवल II और III

116. वल्लभाचार्य और पुष्टिमार्ग के सम्बन्ध में कथनों पर विचार कीजिए :

I. वल्लभाचार्य का दर्शन शुद्धाद्वैत है।
II. पुष्टिमार्ग में 'पुष्टि' का अर्थ भगवान का अनुग्रह है।
III. उन्होंने 1565 ई. में अष्टछाप की स्थापना की।
IV. श्रीनाथजी का मन्दिर पूरनमल खत्री ने गोवर्धन पर बनवाया।
(क) केवल I, II और IV (ख) I, II, III और IV
(ग) केवल I और IV (घ) केवल II और IV

117. नन्ददास के सम्बन्ध में कथनों पर विचार कीजिए :

I. रासपंचाध्यायी रोला छन्द में है।
II. भँवरगीत में गोपी-उद्धव संवाद है।
III. मानमंजरी अमरकोश पर आधारित पर्यायकोश है।
IV. रुक्मिणी मंगल 270 छन्दों का ग्रन्थ है।
(क) I, II, III और IV (ख) केवल I और III
(ग) केवल II और III (घ) केवल I, II और III

118. निम्नलिखित कथनों में से कितने सही हैं?

I. वल्लभ के 84 शिष्य माने जाते हैं।
II. विट्ठलनाथ के 252 शिष्य माने जाते हैं।
III. अष्टछाप में चार कवि वल्लभ के शिष्य हैं।
IV. अष्टछाप में गोविन्द स्वामी वल्लभ के शिष्य हैं।
(क) केवल एक
(ख) केवल दो
(ग) केवल तीन
(घ) सभी चार

सेट–1 : उत्तर-सारणी

1 – ख	2 – घ	3 – क	4 – ग	5 – ग	6 – क	7 – घ	8 – ख	9 – घ	10 – ख
11 – ग	12 – क	13 – क	14 – ग	15 – ख	16 – घ	17 – ख	18 – घ	19 – क	20 – ग
21 – ग	22 – क	23 – घ	24 – ख	25 – घ	26 – ग	27 – ग	28 – ग	29 – ग	30 – घ
31 – क	32 – ग	33 – ग	34 – क	35 – घ	36 – ख	37 – घ	38 – ख	39 – ग	40 – क
41 – क	42 – ग	43 – ख	44 – घ	45 – ख	46 – घ	47 – क	48 – ग	49 – ग	50 – क
51 – घ	52 – ख	53 – घ	54 – ख	55 – ग	56 – क	57 – ग	58 – ग	59 – ग	60 – क
61 – ग	62 – ख	63 – घ	64 – क	65 – ग	66 – ग	67 – क	68 – घ	69 – ख	70 – घ
71 – ख	72 – ग	73 – क	74 – क	75 – ग	76 – ख	77 – घ	78 – ख	79 – घ	80 – क
81 – ग	82 – ग	83 – ख	84 – ख	85 – क	86 – घ	87 – ख	88 – घ	89 – क	90 – घ
91 – ग	92 – ख	93 – क	94 – क	95 – क	96 – ख	97 – घ	98 – क	99 – क	100 – ख
101 – घ	102 – घ								

उत्तरमाला एवं व्याख्या

क. भक्ति आंदोलन — उद्भव, मत और समय-सीमा

1. (ख) सं. 1375 से सं. 1700 तक

शुक्ल — पूर्वमध्यकाल (भक्तिकाल) सं. 1375–1700, अर्थात् सन् 1318–1643 ई.।

2. (घ) 1318 ई. से 1643 ई.

सं. 1375 = 1318 ई. और सं. 1700 = 1643 ई. (संवत् में से 57 घटाने पर)।

3. (क) जॉर्ज ग्रियर्सन

ग्रियर्सन ने भक्तिकाल को हिन्दी साहित्य का 'स्वर्णयुग' कहा।

4. (ग) हजारीप्रसाद द्विवेदी

द्विवेदी — भक्ति आंदोलन 'लोकजागरण' है।

5. (ग) रामविलास शर्मा

रामविलास शर्मा भक्ति आंदोलन को जातीय-जनवादी आंदोलन मानते हैं।

6. (क) जॉर्ज ग्रियर्सन

ग्रियर्सन ने कहा कि ईसा की आरंभिक शताब्दियों में मद्रास के तट पर ईसाई बसे और उनके प्रभाव से भक्ति का उदय हुआ।

7. (घ) आचार्य रामचंद्र शुक्ल

शुक्ल — "अपने पौरुष से हताश जाति के लिए भगवान की शक्ति और करुणा की ओर ध्यान ले जाने के अतिरिक्त दूसरा मार्ग ही क्या था?"

8. (ख) हजारीप्रसाद द्विवेदी

द्विवेदी भक्ति आंदोलन को भारतीय चिंताधारा का स्वाभाविक विकास मानते हैं।

9. (घ) आचार्य रामचंद्र शुक्ल

शुक्ल — राजनीतिक परिवर्तन से शून्य पड़ते हृदय-क्षेत्र में भक्ति को पैर लने का स्थान मिला।

10. (ख) आचार्य रामचंद्र शुक्ल

शुक्ल — भक्ति की निष्पत्ति श्रद्धा और प्रेम के योग से होती है।

11. (ग) रामचंद्र शुक्ल

यह शुक्ल का भक्ति-संबंधी रसवादी लक्षण है।

12. (क) रामानंद

भक्ति द्रविड़ देश में उपजी, उत्तर में रामानंद लाए और कबीर ने उसे व्यापक किया।

13. (क) नामदेव

नामदेव (जन्म 1270) से हिन्दी में भक्ति-साहित्य की परंपरा मानी गई है।

14. (ग) श्वेताश्वतर उपनिषद्

'भक्ति' का प्रारंभिक उल्लेख श्वेताश्वतर उपनिषद् में मिलता है, जिसे निर्गुण भक्ति का आदिस्रोत भी कहा जाता है।

15. (ख) श्रीमद्भागवत

सगुण भक्ति का आधार श्रीमद्भागवत है; निर्गुण का श्वेताश्वतर उपनिषद्।

16. (घ) बादरायण

ब्रह्मसूत्र (वेदांत सूत्र) बादरायण की रचना है; उस पर शंकर, रामानुज, मध्व आदि के भाष्य हैं।

17. (ख) रामचंद्र शुक्ल

शुक्ल — तीनों के सामंजस्य से ही धर्म अपनी सजीव दशा में रहता है।

18. (घ) भगवान की भक्ति में डूबा हुआ (मग्न)

आलवार = तमिल में 'मग्न/डूबा हुआ'; ये दक्षिण के वैष्णव भक्त थे।

19. (क) 12

आलवार 12 माने जाते हैं (इनमें एक महिला आण्डाल)। शैव 'नयनार' 63 हैं।

20. (ग) आण्डाल

आण्डाल ने कृष्ण को ही पति माना; इन्हें 'दक्षिण की मीरा' कहा जाता है।

21. (ग) दिव्य प्रबंधम्

'नालायिर दिव्य प्रबंधम्' आलवारों की वाणी का संकलन है।

22. (क) छठी से नौवीं शताब्दी

आलवारों का काल छठी–नौवीं शताब्दी माना गया है।

23. (घ) शैव; 63

नयनार शिव के उपासक शैव भक्त थे; कुल 63।

24. (ख) गरुड़

परंपरा में मधुरकवि आलवार को गरुड़ का अंश माना गया है।

यह केवल नमूना (Sample) है

पूरी PDF में आपको मिलेगा —

- 📚 **भक्तिकाल** — **1,058 MCQ**, 10 टॉपिक-वार सेट
- 📝 भक्ति आंदोलन व सम्प्रदाय, संत काव्य, सूफी प्रेमाख्यान, रामकाव्य
- 🎶 अष्टछाप, सूरदास, मीरा, रसखान; आलोचकों के कथन, पंक्ति-पहचान
- ⏱️ **पूर्ण मॉक टेस्ट** — 120 प्रश्न
- 🎯 कथन, सत्य/असत्य, अभिकथन-कारण, मिलान, कालक्रम — **UGC NET/JRF स्तर** के प्रश्न
- ✅ हर सेट के बाद **उत्तर-सारणी + उत्तरमाला-व्याख्या**
- ✍️ हर सेट के बाद अपने **नोट्स लिखने के पृष्ठ**
- 📄 कुल **122 पृष्ठ** • क्लिक करने योग्य विषय-सूची

केवल ₹99

🛒 पूरी PDF अभी ख़रीदें — store.hindisahity.com

📲 कोई प्रश्न? WhatsApp करें: 9680260474

UGC NET/JRF • SET • TGT • PGT • UPSC • RPSC — सभी हिंदी साहित्य परीक्षाओं के लिए उपयोगी